सफलता की कहानी

किसान का नाम	- प्रदीप महतो
ग्राम	- पटमदा बस्ती
प्रखण्ड	- पटमदा
जिला	- पूर्वी सिंहभूम

प्रदीप महतो एक छोटे से गाँव पटमदा बस्ती में रहकर पढ़ाई के साथ–साथ खेती बाड़ी का कार्य में सफलता हासिल किया है। प्रदीप महतो स्नातक की पढ़ाई इतिहास विषय में किये है। छात्र जीवन से ही प्रदीप महतो कमाई एवं रोजगार के बारे में सोचते रहते थे।

जब स्नातक प्रथम वर्ष में थे उसका मनरेगा योजना में सुपरवाइजर का नौकरी लगा। प्रदीप ने दो साल तक नौकरी किया। पढ़ाई पुरा करने के बाद अपने पिताजी के साथ खेती बाड़ी में लग गया।

इस दौरान कृषि विभाग आत्मा के प्रखण्ड स्तरीय कर्मी के संपर्क में आने एवं कृषि संबंधी तकनीकी जानकारी प्राप्त किया। सरकार के किसानोपयोगी योजना के बारे में जाना जिससे प्रोत्साहित होकर प्रदीप महतो ने खेतीबाड़ी को ही जिवीकोपार्जन के तौर पर अपनाने का निश्चय किया।

प्रदीप महतो भूमि संरक्षण विभाग से वर्ष 2018 में अपने जमीन में एक तालाब बनवाया एवं सिंचाई हेतु डीप बोरिंग भी कराया। खेती कार्य को सुलभता से करने के लिए एक ट्रेक्टर ले लिया जिससे प्रदीप महतो धान के अलावा, गेहूँ, टमाटर, फुलगोभी की खेती कर रहे हैं। ट्रेक्टर का प्रयोग स्वयं करने के अलावा अन्य दूसरे किसानों को भी किराया पर उपलब्ध कराते है जिससे उन्हें नगद आमदनी हो जाता है।

इस वर्ष रबी में आत्मा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के तहत प्रदीप महतो ने सरसों का बीज प्राप्त किया और अपने 50 डीसमील खेत में लगाया है।

टमाटर, फुलगोभी का अत्याधिक मात्रा में उत्पादन होने से स्थानीय पटमदा, बोड़ाम के हाट में जाकर बेचते है, जमशेदपुर शहर के बाजारों एवं पश्चिम बंगाल में सब्जी की थोक बिक्री कर सालाना लगभग 2.50 रूपये से अधिक कमा रहें है।

कृषि से इतनी आमदनी होने से प्रदीप महतो का परिवारिक जीवन स्तर पहले की अपेक्षा काफी बेहतर स्थिति में है।

प्रदीप महतो अभी खुद का खेत के अलावा आस–पास के दूसरे किसानों का खेत को लीज में लेकर खेती कर ज्यादा से ज्यादा कमाने का योजना बना रहें हैं।